DIGI PAGE

GENERAL AWARENESS

कैबिनेट ने भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच कपड़ा, वस्त्र और फैशन क्षेत्र में सहयोग पर समझौता ज्ञापन को मंजूरी दी

वस्त्र मंत्रालय और विदेश मंत्रालय और व्यापार विभाग के बीच कपड़ा, वस्त्र और फैशन क्षेत्र में सहयोग पर समझौता ज्ञापन (एमओयू) प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने ऑस्ट्रेलिया को मंजूरी दे दी है।

युवा पीढ़ी के बीच हथकरघा उत्पादों को लोकप्रिय बनाने के लिए भारत सरकार, वस्त्र मंत्रालय, का एक प्रयास रहा है। ऑस्ट्रेलियाई फैशन डिजाइनर, भारतीय बुना और भारत और ऑस्ट्रेलियाई बाजारों के लिए भारतीयों के अन्य वस्त्रों का इस्तेमाल करने वाले वस्त्रों का उत्पादन भारत में हितधारकों के साथ काम करने के लिए ब्याज की बात है, जिसमें कला की कला, वस्त्रों के डिजाइन और वस्त्रों के डिजाइन के लिए वस्त्र, हथकरघा क्षेत्र के साथ सहयोग शामिल है। हथकरघा उत्पादों और उन्हें भारत में और साथ ही अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बाजार भी लगाया जाता है।

समझौता ज्ञापन कपड़ा और फैशन क्षेत्रों में सहयोग की सुविधा प्रदान करेगा। प्रतिभागियों को पारस्परिक लाभ मिलेगा और ऑस्ट्रेलियाई भारतीय वस्त्रों और फैशन क्षेत्रों से जुड़ेंगे, उन क्षेत्रों के बीच सहयोग और अंतर्राष्ट्रीय सगाई को बढ़ावा देंगे। यह आगे कौशल और प्रतिभा का पोषण, आर्थिक अवसरों को बढ़ावा देगा और व्यावसायिक सगाई, प्रशिक्षण, कौशल विकास और सार्वजनिक प्रदर्शन को प्रोत्साहित करेगा।

दोनों पक्षों के बौद्धिक संपदा अधिकारों की रक्षा होगी।

सहायक श्रमिकों सहित बुनकरों को एमओयू के तहत किए जाने वाले गतिविधियों से लाभ होगा।

हथकरघा क्षेत्र के समग्र विकास के लिए, पहल का लक्ष्य बाजार संबंधों की स्थापना के माध्यम से हथकरघा कपड़े के उत्पादन में वृद्धि करना है, डिजाइनों और तकनीकों में नवीनता को प्रोत्साहित करना, उत्पाद लाइनों के विविधीकरण और मूल्य में वृद्धि, घरेलू और निर्यात बाजारों के लिए बेहतर पहुंच, ताकि बुनकरों निरंतर रोजगार पाने और अपने जीवन स्तर को सुधारने में सक्षम बने।